तुबारी महने महने पङ्गी
₹ 5/
तुबारि
www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।
Issue 85; April 2019

बिषय सूची

नउआं जमाना, अजब जमाना	1
शाम सिंहे कोशिश	2
अन्हा घोड़ा	2
ब्याह अन्तर लेहर त अणबण	3
कतो खरे असे, से मेहणु?	3
धिरुभाई अम्बानी	4

खास दन

14 अप्रेल - लिशु धनीस

19 अप्रेल - शुभ शुक्रवार

21 अप्रेल - अठ भारो, ईष्टर

28 अप्रेल - पंडर भारो

धाणि त **तसे जुएली**

केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेके व्याहे, आठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

नउआं जमाना, अजब जमाना

हें गीहे उंचाई त सुआ मोटीण लगो असे,
पर हें दिल छोटे भुण लगो असे।
सड़क बुली भो असी, पर हें हेरण तारीके सेंकड़ीते गओ असे।
सुआ फजूल खर्चे करण लगो असे, महेणु तोउ बी नेई रजो।
हें गी मोटीण लगो असु, पर हें पाबर मठणीता गओ असी।
सुख सुविधा बेधती गओ असी, तोउं बी टेम नेई महेणु कें।
असी कें डिग्री सुआ भो असी, पर हें धीरा मुकता गओ असा।
दुवाई त सुआ बटणते गओ असी, पर सहेद मुकती गओ असी।
हें धन दोलत बधती गओ असा, पर मुल कम भुंता गओ असा।
अस बोके सुआ, प्रेम घट त नफरत सुआ करण लगो असे।
असी पेट भरण त शीच छउ, पर जिंदगी जीण न शीची।
असी जीवने साल त बधाई छड़ी,
पर ए साल जीवने बइ ना भर बटी लिया।
असी जोसण तकर घेणे बथ त बणई छइ, पर अपु गीहे भेएड़ अओ तेस नोए डेरूआ जोई बोक करण हेर किस डरते ?
असी संसार बठ त काबु कइ छा,
पर अपु इच्छा वश अन्तर ना कइ बटी।
असी हवा त साफ की, पर अपु आत्मा त साफ ना कइ बटी।
हें अमदाण त बधी, पर असी अन्तर ईमानदारी घटती गओ असी।
ई जमना भो शेठ महेणु के, पर खरे महेणु के ना भो।

सुआ खांजी के, पर तेन्ही अन्तर कोई गुण नेई।
की जमना अओ असा कि ए अपु तेन्के ईज्जत कदर ना कते।
नोउअ जमाना आ, किस कि दुगुणु कमुन्ते, पर सुआ तलाक देंते।
सुआ अब्बल घर त असे, पर टब्बरा सोब छांग.छीठी भुन्ते गओ असे।
आजकल सोबी मेहणु के गलेज बठ त सुआ समान भुंता,
जदकी सोबी के धनवाड़ शुने असे।
इ सोब बोके जीं तुस कंम्पुटर पुठ फोटो ई हेरण लगो असे।
तुस इस फोटो बदल सकते।
या त यक डिलीट बटण चीकी कइ एस खतम कइ सकतें।

लेखकः विनोद कुमार

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

बीनीः ओई लिया! ई कांउ छाते बणातां ना? धीक माते छात त बणताथ।
नाईः जनाब जी, मोउं के कगेंई नेई
बीनीः ही त तोउ कें कगेंई थी
नाईः थी जी..... पर तेसे चोउर पांज दल निस गे।
बीनीः त कि भु? चोउर पांज दल निसे त कगेंई अन्तर त सुआ दल भुंते।
नाईः पर में कगेंई अन्तर त यके ई दल असा।

शाम सिंहे कोशिश

राजा शाम सिंह अपु मन्त्री जोई रेजुएणी बग रड़कण जे गा

महाराजाः हाउ बेएए...! तोता में ध्यान घड़ी घड़ी अपु कना जे करण लगो असा

मन्त्रीः जीं तुसी सचु बोलु।

महाराजाः एस तोते टवाते त एस पकाणते

मन्त्रीः जी महाराज। अउं एस एभेंई टाई कइ पकाणता।

महाराजाः मन्त्रीए में बोलणे मथबल ई नेओथ। अउं एसे ई अम्मर अन्तर उडरूं चहांता।

मन्त्रीः महाराज सेमोझी कइ।

महाराजाः मन्त्री जी अउं बी एसे ई उडरू चहांता। तु दोड़ी कुछ तयारी कर।

मन्त्रीः ठीक असु जी, अउं कोशशि कता।

महाराजाः मिस्त्री घोड़ा बणाण ला।

मन्त्रीः हां जी, घोड़े पखोण बी लाई दुतो असे।
अब घोड़ा उडार देण जे तयार असा।

महाराजाः ए त ती अब्बल असा।

राजे उछीड़ कइ घोड़े बठ टाउ दता।

महाराजाः अब कि करूं?

मन्त्रीः महाराज जी घोड़े सुमल कनेरी कन थुसी दिए। तोउं घोड़ा उडरता।

महाराजाः हा हा..... अब त ए उडरूं लगा। पर.....
पर अउं घोड़े उमले कन भी पोउणे चाबी छांण भुल गओ असा।

अन्हा घोड़ा

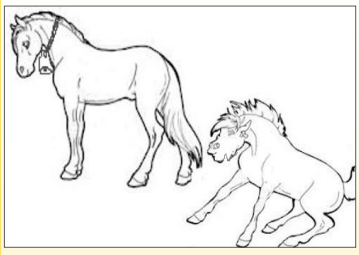

यक ग्रांए बिचो-बच घोड़ी जे यक गुआड़ बाणो थी। तेथ अतंर दुई घोड़े बिशतेथ। दूर कियां से दुहो यके रंगे केतेथ। भेएड़ घेई कइ पता लगताथ की यक घोड़ा अन्हा थिआ। तेस काणा भुण किंया पता तेसे मालिखे तेसे टेल पाणी कताथ। तुस होर तेस घोड़े धे हेरे त मालिखे तेसे किएड़ी बइ घंटा लाओ असी। त जे काणा घोड़ा असा से होर तेस घोड़े घंटाई अवाज शुंण कइ तेसे भेएड़ पुजताथ। तेसे पतोति तेस गुआड़ अतंर हांटताथ। होरा से घोड़ा बि तेसे मदद कताथ। किस कि से ई हेरता रहेंताथ कि होरा से घोड़ा बि तेसे पतोति अओ असा ना कि नेई आओ। से ई चहांताथ कि तेसे मित्र अपु सुसुर जगाहि पुजो असा ना से तसे कियां बाद होर जगाई जे घेंताथ।

शुणे लियो! तेस गुआड़ी मालिखे ई भगवान असी तोउ छड़ ना देंता कि असी अंतर कोई दोष त कमी ना लौती। से हमेशा खयाल रखता कि असी जेखेईं बी जरुरत भुंती, से केसे ना केसे हें मदद करण जे जेरुर लंघाता। कपले कपले अस तेस अन्हे घोड़े ईं भुंते, जे भगवाने बेलि बन्हो घंटाई बेलि हें परशानी दूर कता। त कपले अस अपु किएड़ी जोई घंटाई बइ होरी सुसुर बत हरालते।

ब्याह अन्तर लेहर त अणबण

यक धाणि त जुएली लेहर एण कोई अजब बोक नेई। असी सोबी केस ना केस बोकी पुठ जरुर लेहर एन्ती। पर परेशानी ई असी कि सोबी एहसास केआं ज्यादी गलतफैमी 'लेहर' अन्तर असी। एस बझई जोई लेहर सुआ नुकसान कती त हें रिश्ता बिगाड़ छती, किस कि सुआ जेईं ई नेई शिचो कि कीं कइ लेहर किढ़ण त कीं कइ होरी के लेहर शान्त करिण। जपल कोई लेहर किढ़ता त अस तस अपफ पुठ नेन्ते जेसे बेलि अस होरी के बोक शुणुण जे तेयारीन्ते ई नोउ, बल्कि अपु बचाव करण लगते।

त जपल अउं लेहरिन्ता, तपल पेहले मोउं मानुण असु कि में लेहर अपु साथी बारे नेई, बल्कि ए में अपु बारे असी। मतलब कि में लेहर में व्यक्तित्व त में समझे बारे असी। जीं कि अगर अउं समझता कि झूठ बोलुण ठीक असु, त में साथी जेतु बि झूठ बोलियेल तोउं बि मोउं लेहर ना एन्ती। पर अगर मोउं झूठ बोलुण खरु ना लगतु, त झूठ शुण कइ अउं लेहरीन्ता। त में लेहर किढ़ण अपु साथी पुठ ना, बल्कि झूठे बारे में समझ पुठ भुन्ति। जपल अउं एस मानता त अउं ई ठीक कइ सकता कि कीं कइ अपु साथी पुठ मोउं अपु लेहर किढ़ुण? बणाणे मकसद अन्तर या बिगाड़णे मकसद अन्तर।

तिहांणि में साथी जपल में किओ कुछ कम पुठ लेहरिन्ती त मोउं ई ना समझुण कि से मोउं पुठ लेहरीण लगो असी, बल्कि मेईं जे कम किओ असु तेस पुठ लगो असी। जीं कि जपल अउं चेरे गी पुजता, त में जुएली मोउं पुठ लेहर किढ़ती। तसे लेहर मोउं पुठ ना, बल्कि में चेरे भुण पुठ भुन्ति। किस कि शयद गी में कोई जरूरत भोल, या शयद तस डर लगो भोल कि राति मोउं कुछ भु त नोउ। त तिखेईं अउं तसे लेहर अपफ पुठ ना नी कइ अगर अपु कम पुठ रखता त अउं तस समझ सकता। ईं सोच रखणे बेलि अउं तसे बोक धीरज जोई शुण सकता, त हें बुछ अणबण ना भुन्ति।

कतो खरे असे से मेहणु जे दुष्टी के सलाह पुठ ना हंठते,

होर ना पापी मेहणु जुएई खड़ींता त ना बुराई करणेबाड़ी जुएई किठींते!

पर से त परमेश्वरे वचन जुएई खुश रेहंते, त दन-रात तसे बोकी पुठ ध्यान कते रेहंते।

से तेस बुटे ईं असे, जे चलते दरियोए ओत लओ असा त जे अपु रत एणे टेम फलता, त जेसे पन्ने कदि ना शुकते।

तोउं त जे कुछ से मेहणु करियेल से कामियाब भोई घेन्तु।

दुष्ट मेहणु ईं ना भुन्ते, से तेस केउए ईं भुन्ते, जे बियेरी बेलिए उडीर घेन्ते।

एस बझई जुएई दुष्ट मेहणु परमेश्वरे अदालत अन्तर टिग ना सकते, होर ना पापी धर्मी मेहणु के हुसड़े अन्तर टिगते।

किस कि परमेश्वर धर्मी मेहणु खरी बत हंटान्ता, पर दुष्टी के बत बरबादी कना जे घेन्ती।

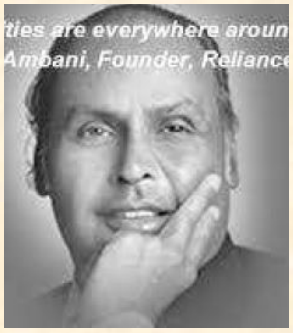

धिरुभाई अम्बानी 28 दिसेम्बर 1932 अन्तर यक मोध टब्बर अन्तर जम्मो थिआ, जे छोरवाड़, जुनागढ़ जिले अन्तर बिश्तेथ। तसे बोउए नोउ हीराचन्द त ईये नोउ जमनाबेन थिउ। तसे बोउ यक स्कूल अन्तर दिहाड़ी माष्टर थिआ। तसे दुई भेण त दुई भाई थिए। धिरुभाई बिझामी कुआ थिआ।

जपल धिरुभाई दशमी ईम्तिहान दी गा, त तसे बोउ, जे कुछ टेम केआं बिमार थिआ, तस अपु भेएड़ भिआई कइ बोलु, "कोया, तोउ पता असा कि एचेल अउं बिमार रेहन्ता त ततु कमाई ना बटता। मोउं ई पता असा कि तुं हउ बि पढ़ुण चहन्ता। पर अब मोउं केआं ना पुगती। अउं चहन्ता कि तुं पढ़ाई छड़ दी कइ कुछ कमाण दे, किस कि टब्बरे तें कमाई जरुरत असी। तें बड़े भाई रामनिक तोउ जे एक कम हेरो असु, छने गा त कमाण दे।" विचारा धिरुभाई अपु बोउ जे किछ बोल ना बटु। सिर्फ अतुरु बोलु, "बोउअ, जीं तुस चहन्ते, अउं तिहांणि कता।" तोउं से येमेन देशे, आडेन नोउए यक शेहर जे गा। तठि से ए. बेसी एंड कॉ (A. Besse & Co.) नोउए यक कम्पानी अन्तर पिओने कम करण लगा। एस कम्पानी अन्तर कम कतेकुते तेन अलग अलग देशे सामान खरिदुण (Purchase), बेचेण (Sells), बांटण (Distribution), रुपेई बटाण (Currency Trading) त रुपेई खर्चण (Finance Management) बगैरा बगैरा कम शिचु। धिरुभाई अन्तर आत्मसुधार करणे यक गजब इच्छा थी। से ब्यादि चेरे तकर अंग्रेजी व्याकरण पढ़ुण, त होरे होरे चीजे बारे लिखुण बिश्ताथ। सुआ किताब बि पढ़ताथ। अंग्रेजी, हिन्दी त गुजुराति अखबार तीं पढ़ताथ। तस पता लग गो थिआ कि खरा कारोबार करुण जे बोक करणे तरीका त सुसुर भाषा बोलुण कतु जरुरी असु।

पता जपल तस अपु कारोबार करण जे रुपेई के जरुरत भुई त तेन अडेन शेहरे छोटे छोटे दुकानदारी जे बोलु, "फायदा भोल त सोबी के, घाटा भोल त सिर्फ में"।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हँघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

एस बोकी पुठ तुस सोच सकते कि तस अपफ पुठ कतु यकीन थिआ। जपल तस इंलाण्ड या भारत देश अन्तर बिशणे ठीक करिण थी त तेन अपु भारत देश अन्तर बिशणे ठीक किआ। तेन कोकिलाबेन जोई ब्याह किआ त तसे दुई कुआ जम्मे, जेन्के बारे तुसी जरुर शुणो भोल। यक नोउ मुकेश आम्बानी त होरे नउ अनिल आम्बानी असु। तेन रिलायानस इण्डोष्ट्रीज (Reliance Industries) नोउए यक कंपानी बणाई, जे अब यक सुआ बोडा कंपानी बण गो असी।

धिरुभाई अंबानी बोताथ "बोडी सोच, झट सोच त होरी केआं अगर सोच। किस कि सोच (Idea) पुठ केसेरी मालिकाना हक नेई।"